www.a2zSubjects.com

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

(Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

(Name) ____________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________
(In words)

J 7 3 1 5

PAPER - III
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Time : 2½ hours] [Maximum Marks : 150

Number of Pages in this Booklet : 16 Number of Questions in this Booklet : 75

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   - (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.

   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   - (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   - (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

संस्कृत-परम्परागत विषयः
संस्कृत परम्परागत विषय
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS
प्रश्नपत्रम् – III
प्रश्नपत्र – III
Paper - III

निर्देशः – अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चसप्ततिः (75)** बहुविकल्पीय प्रश्नाः सन्ति। तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम्। **सर्वे** प्रश्ना उत्तरणीयाः।

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें।

Note : This paper contains **seventy-five (75)** multiple choice questions. Each question carries **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

1. चूडाकर्म कस्मिन् वर्षे विहितम् ?
चूडाकर्म किस वर्ष में होता है ?
In which year चूडाकर्म is prescribed ?
(1) जन्मतो विषमे वर्षे
(2) जन्मतः तृतीयात् विषमे वर्षे
(3) जन्मतः समे वर्षे
(4) जन्मतः द्वितायात् समे वर्षे

2. ज्येष्ठपुत्रस्य मुण्डनं कस्मिन् मासे न प्रशस्तम् ?
ज्येष्ठपुत्र का मुण्डन किस मास में शुभ नहीं है ?
In which month the मुण्डन ceremony of the eldest son is not considered auspicious ?
(1) पितुः जन्ममासे (2) मातुर्जन्ममासे (3) आषाढमासे (4) ज्येष्ठमासे

3. मकरराशेः स्वामी को ग्रहोऽस्ति ?
मकरराशि का स्वामी कौन सा ग्रह है ?
Which ग्रह is the lord of मकर राशि ?
(1) सूर्यः (2) शनिः (3) बृहस्पतिः (4) शुक्रः

4. निम्नलिखितेषु किं ग्रहः द्वयोः राश्योः स्वामी नास्ति ?
निम्नलिखित में से कौन सा ग्रह दो राशियों का स्वामी नहीं होता ?
Which of the following is not lord of two राशिs ?
(1) सूर्यः (2) भौमः (3) शुक्रः (4) बृहस्पतिः

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

5. कस्य स्थानस्य केन्द्रसंज्ञा न भवति ?

किस स्थान की केन्द्रसंज्ञा नहीं होती है ?

Which place is not known as केन्द्रस्थान ?

(1) द्वितीयस्य (2) चतुर्थस्य (3) सप्तमस्य (4) दशमस्य

6. जन्मकुण्डल्यां किं स्थानं मृत्युस्थानं कथ्यते ?

जन्मकुण्डली में कौनसा स्थान मृत्युस्थान कहलाता है ?

Which place is called मृत्युस्थान in a horoscope ?

(1) नवमम् (2) एकादशम् (3) अष्टमम् (4) द्वादशम्

7. बृहस्पतेः उच्चराशिः कोऽस्ति ?

बृहस्पति की उच्च राशि कौन सी है ?

Which is the exalted sign of Jupiter ?

(1) मकरः (2) कर्कः (3) कन्या (4) धनुः

8. नक्षत्रस्य एकस्य पादस्य किं मानं भवति ?

नक्षत्र के एक पाद का क्या मान है ?

What is the measure of a $P\bar{a}da$ of a नक्षत्र ?

(1) $3° - 20'$ (2) $13° - 20'$ (3) $6° - 40'$ (4) $12° - 40'$

9. दिनमानं किं भवति ?

दिनमान क्या होता है ?

What is known as दिनमान ?

(1) सूर्योदयात् मध्याह्नकालपर्यन्तं कालमानम् (2) मध्याह्नकालात् सूर्यास्तपर्यन्तं कालमानम्

(3) सूर्योदयात् सूर्यास्तकालपर्यन्तं कालमानम् (4) मध्याह्नात् अर्धरात्रिपर्यन्तं कालमानम्

10. भयातम् किं भवति ?

भयात क्या होता है ?

What is भयात ?

(1) राशेः गतांशादयः (2) नक्षत्रस्य गतांशादयः (3) नक्षत्रस्य शेषांशादयः (4) ग्रहस्य गतांशादयः

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

11. लग्नम् किं भवति ?

लग्न क्या होता है ?

What is लग्न ?

(1) जन्मकाले पूर्वक्षितिजे लग्नः राशिभागः (2) पश्चिमक्षितिजे लग्नः राशिभागः

(3) सूर्योदयकाले पूर्वक्षितिजे लग्नः राशिभागः (4) मध्याह्नकाले पूर्वक्षितिजे लग्नः राशिभागः

12. अमावस्या कदा भवति ?

अमावस्या कब होती है ?

When does Amāvasya occur ?

(1) यदा सूर्यचन्द्रमसोः परस्परं अन्तरं 160° - 180° मध्ये भवति

(2) यदा सूर्यचन्द्रमसोः परस्परं अन्तरं 348° - 360° मध्ये भवति

(3) यदा सूर्यचन्द्रमसोः परस्परं अन्तरं 96° - 108° मध्ये भवति

(4) यदा सूर्यचन्द्रमसोः परस्परं अन्तरं 60° - 72° मध्ये भवति

13. जन्मकुण्डल्यां दशमभावात् किं विचार्यते ?

जन्मकुण्डली में दशमभाव से किसका विचार किया जाता है ?

What is considered from the tenth house in a horoscope ?

(1) वृत्तिप्रश्नः (2) व्ययप्रश्नः (3) लाभप्रश्नः (4) मृत्युप्रश्नः

14. सावनदिनं किं भवति ?

सावनदिन क्या होता है ?

What is a सावन day ?

(1) सूर्यस्य एकांशे गते (2) सूर्योदयाद् अग्रिमसूर्योदयपर्यन्तम् कालमानम्

(3) सूर्यचन्द्रमसोः परस्परं द्वादशांशान्तरिते (4) चन्द्रमसः एकनक्षत्राद् अपरनक्षत्रपर्यन्तं गतिः

15. मनुस्मृत्यनुसारं राजा कस्मात् कारणात् सर्वभूतानि तेजसा अभिभवति ?

मनुस्मृति के अनुसार राजा किस कारण से सभी प्राणियों को अभिभूत करता है ?

Why a King dominates all beings, according to Manusmriti ?

(1) देवांशेभ्यो निर्मितत्वात् (2) पौरुषवत्त्वात्

(3) शक्तिशालित्वात् (4) नीतिवत्त्वात्

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

16. मनुस्मृतौ स्त्रियः तुलना कस्याः कृता ?

मनुस्मृति में स्त्रियों की तुलना किससे की है ?

Women have been compared with whom in Manusmṛti ?

(1) श्रियः (2) दुर्गायाः (3) पार्वत्याः (4) सरस्वत्याः

17. ऋग्वेदे कस्याः देवतायाः सर्वाधिकसूक्तानि सन्ति ?

ऋग्वेद में किस देवता के सर्वाधिक सूक्त हैं ?

Name the deity to whom maximum number of hymns are ascribed in the Ṛgveda ?

(1) अग्निः। (2) विष्णुः। (3) इन्द्रः। (4) वरुणः।

18. अधस्ताद्दत्तेषु कः वंशमण्डलेन सम्बद्धःनास्ति ?

निम्नलिखित में से कौन वंशमण्डल से सम्बद्ध नहीं है ?

Which one of the following does not belong to family - book ?

(1) अत्रिः (2) गौतमः (3) वामदेवः (4) विश्वामित्रः

19. पातञ्जलमहाभाष्यानुसारं ऋग्वेदस्य शाखाः सन्ति –

पातञ्जलमहाभाष्यानुसार ऋग्वेद की शाखाओं की संख्या है :

According to पातञ्जलमहाभाष्य the number of branches of Ṛgveda is :

(1) 5 (2) 9 (3) 21 (4) 100

20. 'अनुष्टुप्' छन्दसि अक्षराणां संख्या कियती ?

'अनुष्टुप्' छन्द में अक्षरों की संख्या कितनी है ?

How many letters are there in 'अनुष्टुप्' metre ?

(1) 24 (2) 28 (3) 32 (4) 36

21. 'माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः' इत्युक्तिः कुत्र लभ्यते ?

'माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः' – यह उक्ति कहाँ प्राप्त होती है ?

Where is found the maxim - 'माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः' ?

(1) ऋग्वेद (2) अथर्ववेद (3) महाभारत (4) नाट्यवेद

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

22. प्रमुखासु दशोपनिषत्सु अन्तः परिगणिता नास्ति ?

प्रमुख दश उपनिषदों में अन्तः परिगणित नहीं है ?

Which of the following is not included among the popular Ten Upanishads ?

(1) ऐतरेयोपनिषद् (2) छान्दोग्योपनिषद् (3) मुण्डकोपनिषद् (4) श्वेताश्वतरोपनिषद्

23. 'षड्विंशब्राह्मणम्' केन वेदेन सम्बद्धं वर्तते ?

'षड्विंशब्राह्मणम्' किस वेद से सम्बद्ध है ?

'षड्विंशब्राह्मणम्' is related to which veda ?

(1) ऋग्वेदेन (2) कृष्णयजुर्वेदेन (3) अथर्ववेदेन (4) सामवेदेन

24. "कस्मै देवाय हविषा विधेम" इयमुक्तिः कस्यै देवतायै प्रयुज्यते ?

"कस्मै देवाय हविषा विधेम" यह उक्ति किस देवता के लिये प्रयुक्त है ?

For which deity comes the maxim "कस्मै देवाय हविषा विधेम" ?

(1) पुरुषाय (2) इन्द्राय (3) विष्णवे (4) प्रजापतये

25. 'स नः पितेव सूनवे' केन सूक्तेन सम्बद्ध मस्ति ?

'स नः पितेव सूनवे' किस सूक्त से सम्बद्ध है ?

'स नः पितेव सूनवे' belongs to the hymn :

(1) रुद्रसूक्तेन (2) इन्द्रसूक्तेन (3) अग्निसूक्तेन (4) सवितृसूक्तेन

26. महीधरः कः वर्तते ?

महीधर क्या हैं ?

Who is महीधर ?

(1) सूत्रकारः (2) भाष्यकारः (3) वार्तिककारः (4) पदकारः

27. महाभाष्यकारानुसारं अथर्ववेदस्य शाखाः सन्ति –

महाभाष्यकार के अनुसार अथर्ववेद की शाखाओं की संख्या है :

According to महाभाष्यकार the number of branches of अथर्ववेद is :

(1) 21 (2) 15 (3) 9 (4) 2

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

28. 'स्कम्भ' – इत्यस्य वर्णनं कुत्र प्राप्यते ?

'स्कम्भ' का वर्णन कहाँ प्राप्त होता है ?

Where is found the description of 'स्कम्भ' ?

(1) महाभारते (2) अथर्ववेदे (3) रामायणे (4) सामवेदे

29. कादिविद्या वर्तते –

कादिविद्या है :

कादिविद्या belongs to :

(1) पाञ्चरात्रागमस्य। (2) शैवागमस्य। (3) त्रैपुरागमस्य। (4) वैखानसागमस्य।

30. कामिकागमोक्तः दशमधातुः वर्तते –

कामिकागमोक्त दशमधातु है :

According to कामिकागम, दशमधातु is :

(1) प्राणः। (2) जीवः। (3) मज्जा। (4) पराशक्तिः।

31. इदं वैष्णवागमेषु अन्तर्भवति –

यह वैष्णवागमों में अन्तर्भूत होता है :

Which comes under वैष्णवागमs ?

(1) सौरतन्त्रम्। (2) पाञ्चरात्रम्। (3) गाणपत्यतन्त्रम्। (4) अभेदागमः।

32. 'अथातो धर्मजिज्ञासा' इति सूत्रं कस्य ?

'अथातो धर्मजिज्ञासा' यह सूत्र किसका है ?

The precept 'अथातो धर्मजिज्ञासा' belongs to :

(1) उत्तरमीमांसायाः। (2) न्यायदर्शनस्यः। (3) पूर्वमीमांसायाः। (4) बौद्धदर्शनस्य।

33. 'वेदप्रतिपाद्यः प्रयोजनवदर्थो धर्मः' इति धर्मलक्षणमस्ति –

'वेदप्रतिपाद्यः प्रयोजनवदर्थो धर्मः' यह धर्मलक्षण है :

'वेदप्रतिपाद्यः प्रयोजनवदर्थो धर्मः' is धर्मलक्षण of :

(1) लौगाक्षिभास्करस्य (2) आपोदेवस्य (3) जैमिनेः (4) कृष्णयज्वनः

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

34. 'अज्ञातार्थज्ञापको वेदभागो' भवति –

'अज्ञातार्थज्ञापक वेदभाग' होता है :

'अज्ञातार्थज्ञापक वेदभाग' is :

(1) प्रकरणम् (2) स्थानम् (3) विधिः (4) अपूर्वम्

35. उचितमुत्तरं चिनुत।

उचित उत्तर का चयन कीजिए।

Choose the appropriate answer.

(क) स्थापना – अपौरुषेयं वाक्यं वेदः।

(ख) तर्क – स च पञ्चविधः।

(1) (क) – इति सत्यं कथनमस्ति। (ख) – इति असत्यं कथनमस्ति।

(2) (क) – इति असत्यं कथनमस्ति। (ख) – इति सत्यं कथनमस्ति।

(3) (क), (ख) इति उभे सत्ये स्तः।

(4) (क), (ख) इति उभे असत्ये स्तः।

36. अधोलिखितेषु मीमांसकैर्विधिर्न स्वीकृतः।

निम्नलिखित में से मीमांसकों ने विधि स्वीकार नहीं की है।

In the following, which is not Vidhi according to Mimāṅsahas ?

(1) उत्पत्तिविधिः (2) प्रयोगविधिः (3) विनियोगविधिः (4) उपयोगविधिः

37. विनियोगविधिर्भवति –

विनियोगविधि होती है :

विनियोगविधि is :

(1) अङ्गप्रधानसम्बन्धबोधको विधिः। (2) कर्मस्वरूपमात्रबोधको विधिः।

(3) प्रयोगप्राशुभावबोधको विधिः। (4) कर्मजन्यफल स्वाम्यबोधको विधिः।

38. दशावतारेषु न गण्यते।

दस अवतारों में गणना नहीं होती है।

Which is not included in दशावतारs ?

(1) कच्छपः (2) गणेशः (3) मत्स्यः (4) रामः

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

39. अष्टविधविवाहानां समुचितक्रमः किमस्ति ?

आठ प्रकार के विवाहों का उचित क्रम क्या है ?

Which is the correct order of eight kinds of marriages ?

(1) आर्षः, दैवः, ब्राह्मः, प्राजापत्यः, गान्धर्वः, आसुरः, पैशाचः, राक्षसः

(2) ब्राह्मः, प्राजापत्यः, आर्षः, दैवः, पैशाचः, आसुरः, राक्षसः, गान्धर्वः

(3) ब्राह्मः, दैवः, आर्षः, प्राजापत्यः, आसुरः, गान्धर्वः, राक्षसः, पैशाचः

(4) दैवः, आर्षः, ब्राह्मः, प्राजापत्यः, पैशाचः, राक्षसः, गान्धर्वः, आसुरः

40. '.....भवितुर्भवनानुकूलोभावयितुर्व्यापारविशेषः' किम् भवति ?

'.....भवितुर्भवनानुकूलो भावयितुर्व्यापारविशेषः' क्या होता है ?

What is '.....भवितुर्भवनानुकूलो भावयितुर्व्यापारविशेष' ?

(1) विनियोगः (2) भावना (3) प्रयोगः (4) विधिः

41. मनुस्मृत्यनुसारेण धर्मस्यलक्षणं नास्ति –

मनुस्मृति के अनुसार धर्म का लक्षण नहीं है :

It is not the लक्षण of Dharma :

(1) धृतिः (2) अक्रोधः (3) विद्या (4) यज्ञः

42. मनुस्मृत्यनुसारेण 'अध्यापनम् अध्ययनं यजनं याजनं दानं प्रतिग्रहं च' कस्य कर्माणि सन्ति ?

मनुस्मृति के अनुसार 'अध्यापनम् अध्ययनं यजनं याजनं दानं प्रतिग्रहं च' ये किसके कर्म हैं ?

According to Manusmriti who's duties are 'अध्यापनम् अध्ययनं यजनं याजनं दानं प्रतिग्रहं च' ?

(1) ब्राह्मणानाम् (2) क्षत्रियाणाम् (3) वैश्यानाम् (4) शूद्राणाम्

43. मनुस्मृत्यनुसारेण क्षत्रियस्य कर्त्तव्यकर्म नास्ति –

मनुस्मृति के अनुसार क्षत्रिय का कर्त्तव्य कर्म नहीं है :

According to Manusmṛti, which job is not prescribed for क्षत्रिय ?

(1) इज्या (2) अध्ययनम् (3) दानम् (4) कृषिकार्यम्

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

44. 'उपोषतीत्यत्र' पररूपमेकादेश: केन सूत्रेण भवति ?

'उपोषति' पद में पररूप एकादेश किस सूत्र से होता है ?

In the word 'उपोषति' पररूपएकादेश: occurs by the rule :

(1) ओमाङोश्च (2) एङः पदान्तादति

(3) अव्यक्तानुकरणस्य तु वा (4) एङि पररूपम्

45. 'राजपुरुष:' इत्यत्र विग्रह: वर्तते –

'राजपुरुष:' पद में विग्रह है :

The विग्रह of the word 'राजपुरुष:' is :

(1) राजा च पुरुष: च (2) राज्ञ: पुरुष: (3) राजा एव पुरुष: (4) राज्यस्य पुरुष:

46. कर्मप्रवचनीययुक्ते विभक्ति: भवति –

कर्मप्रवचनीय में विभक्ति होती है :

In the presence of कर्मप्रवचनीय comes the विभक्ति: –

(1) द्वितीया (2) तृतीया (3) चतुर्थी (4) पञ्चमी

47. 'कुमारी' इत्यत्र ङीप् विधायकं सूत्रं भवति –

'कुमारी' पद में 'ङीप्' विधायक सूत्र है :

In the word 'कुमारी' ङीप् comes by the rule :

(1) द्विगो: (2) वयसिप्रथमे (3) दामहायनान्ताच्च (4) काण्डान्तात् क्षेत्रे

48. एक: शब्द: सम्यग्ज्ञात: स्वर्गे लोके क: भवति ?

अच्छी प्रकार से जाना गया एक शब्द स्वर्गलोक में क्या होता है ?

What is the status in heaven of the word, known well ?

(1) राजा (2) यशस्वी (3) कामधुक् (4) पण्डित:

49. शब्दतत्वं केन रूपेण विवर्तते ?

शब्दतत्वं किस रूप में विवर्तित होता है ?

In which way शब्दतत्व gets into विवर्त ?

(1) शब्दभावेन (2) अर्थभावेन (3) ब्रह्मरूपेण (4) ध्वनिरूपेण

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

50. 'तद्धितेष्वचामादेः' इति सूत्रेण किं विधीयते ?

'तद्धितेष्वचामादेः' सूत्र से क्या होता है ?

What does the sūtra 'तद्धितेष्वचामादेः' do ?

(1) दीर्घः (2) गुणः (3) ह्रस्वः (4) वृद्धिः

51. 'अनुमापकस्य' हेतवः कति सन्ति न्यायमते ?

'अनुमापक' के हेतु न्यायदर्शनानुसार कितने हैं ?

In Nyāya Darśana, how many are the reasons for 'अनुमापक' ?

(1) त्रयः (2) पञ्च (3) अष्ट (4) एकादश

52. द्रव्यप्रत्यक्षे सर्वदा सन्निकर्षः भवति –

द्रव्य के प्रत्यक्ष में सन्निकर्ष होता है :

What type of सन्निकर्ष occurs in द्रव्यप्रत्यक्ष ?

(1) संयोगः (2) समवायः (3) तादात्म्यम् (4) संयुक्तसमवायः

53. 'यथार्थानुभवः' कति विध ?

'यथार्थानुभव' कितने प्रकार के हैं ?

How many types are there of 'यथार्थानुभवः' ?

(1) चतुर्विधः (2) पञ्चविधः (3) सप्रविधः (4) नवधा

54. सांख्यमते कैवल्यस्वरूपं भवति –

सांख्यमतानुसार कैवल्य का स्वरूप है :

According to सांख्यदर्शन, कैवल्य is :

(1) सुखाभिव्यक्तिः (2) ऐकान्तिकदुःखनिवृत्तिः

(3) आत्यन्तिकदुःखनिवृत्तिः (4) ऐकान्तिकात्यन्तिकदुःखनिवृत्तिः

55. सांख्यदर्शनस्य प्रणेता मुनिः वर्तते –

सांख्यदर्शन के प्रणेता मुनि हैं :

The Sage of सांख्यदर्शन is :

(1) गौतमः (2) कपिलः (3) श्रीशङ्करः (4) गौडपादः

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

56. सांख्य-योग-शैवदर्शन प्रतिपादकोपनिषत् ग्रन्थः वर्तते –

सांख्य-योग-शैवदर्शनप्रतिपादक उपनिषद् ग्रन्थ है :

The उपनिषद् in which सांख्य-योग-शैवदर्शनाs are described :

(1) कठोपनिषद् (2) प्रश्नोपनिषद् (3) केनोपनिषद् (4) श्वेताश्वतरोपनिषद्

57. 'वेदान्तसारः' ग्रन्थस्य कर्ता भवति –

'वेदान्तसार' ग्रन्थ के कर्ता है :

The Author of the book 'वेदान्तसार' is :

(1) रामानुजः (2) सदानन्दः (3) गोविन्दः (4) आनन्दः

58. वेदान्तदर्शने नित्यं वस्तु –

वेदान्तदर्शन में नित्य वस्तु है :

In वेदान्तदर्शन नित्यं वस्तु is :

(1) जगद् (2) आत्मा (3) ब्रह्म (4) जीवः

59. 'अतत्वतोऽन्यथा प्रथा' नाम भवति –

'अतत्वतोऽन्यथा प्रथा' को कहा जाता है :

'अतत्वतोऽन्यथा प्रथा' is called :

(1) विवर्तः (2) विकारः (3) परिणामः (4) विशेषः

60. 'वाल्मीकि रामायणे' कति सर्गाः विद्यन्ते ?

'वाल्मीकि रामायण' में कितने सर्ग हैं ?

How many सर्गाs are in 'Valmiki Ramayana' ?

(1) 325 (2) 500 (3) 250 (4) 25

61. कस्य काव्यस्य महाभारतं उपजीव्यं नास्ति ?

किस काव्य का महाभारत ग्रन्थ उपजीव्य नहीं है ?

The theme of which Kavya is not related to Mahabharata ?

(1) शिशुपालवधम् (2) नैषधीयचरितम् (3) रघुवंशम् (4) किरातार्जुनीयम्

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

62. महापुराणं अस्ति –

महापुराण है :

Mahapurana is :

(1) वराहपुराणम् (2) नारसिंहपुराणम् (3) कपिलपुराणम् (4) मारीचपुराणम्

63. काव्यादर्शस्य रचयिता अस्ति –

काव्यादर्श के रचयिता हैं :

Kāvyādarśa has been written by :

(1) मम्मटाचार्यः (2) दण्डी (3) वत्सराजः (4) भरतः

64. 'औचित्यं रससिद्धस्य स्थिरं काव्यस्य जीवितम्' इति काव्यलक्षणमस्ति –

'औचित्यं रससिद्धस्य स्थिरं काव्यस्य जीवितम्' यह काव्यलक्षण है :

'औचित्यं रससिद्धस्य स्थिरं काव्यस्य जीवितम्' This definition of Kāvya is given by :

(1) भोजराजस्य (2) क्षेमेन्द्रस्य (3) कुन्तकस्य (4) हेमचन्द्राचार्यस्य

65. मुख्यार्थस्य वृत्तिरस्ति –

मुख्यार्थ की वृत्ति है :

The Vṛtti for Mukhyārtha is :

(1) लक्षणा (2) व्यञ्जना (3) अभिधा (4) तात्पर्या

66. भरतेन स्थापितानां स्थायिभावानां संख्या वर्तते –

भरत द्वारा स्थापित स्थायिभावों की संख्या है :

The number of Sthāyibhāvas proposed by Bharata is :

(1) दश (2) द्वादश (3) अष्टौ (4) एकादश

67. रुद्रटेन लिखितस्य अलङ्कारग्रन्थस्य नाम अस्ति –

रुद्रट द्वारा लिखित अलङ्कारग्रन्थ का नाम है :

The name of Rudrata's treaty on Alaṅkāra is :

(1) काव्यालङ्कारः (2) अलङ्कारसर्वस्वम् (3) अलङ्कारसूत्रम् (4) रसालङ्कारः

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

68. सिद्धत्वेऽध्यवसायस्य __________ निगद्यते। समुचितेन पदेन रिक्तस्थानं पूर्यताम्।

सिद्धत्वेऽध्यवसायस्य __________ निगद्यते। समुचित पद से रिक्त स्थान की पूर्ति करें।

सिद्धत्वेऽध्यवसायस्य __________ निगद्यते। Fill in the blank with appropriate word.

(1) अतिशयोक्तिः (2) अपह्नुतिः (3) उत्प्रेक्षा (4) अप्रस्तुतप्रशंसा

69. 'निदर्शना अभवन् वस्तुसम्बन्धः उपमापरिकल्पकः'। कस्य उक्तिरियम्?

'निदर्शना अभवन् वस्तुसम्बन्धः उपमापरिकल्पकः'। यह किसकी उक्ति है?

'निदर्शना अभवन् वस्तुसम्बन्धः उपमापरिकल्पकः'। Who has said this ?

(1) रुय्यकस्य (2) राजशेखरस्य (3) मम्मटस्य (4) रुद्रटस्य

70. 'सङ्केतितश्चतुर्भेदो जात्यादिर्जातिरेव वा' कस्मिन् ग्रन्थे वर्तते इदं वाक्यम्?

'सङ्केतितश्चतुर्भेदो जात्यादिर्जातिरेव वा' यह वाक्य किस ग्रन्थ में है?

'सङ्केतितश्चतुर्भेदो जात्यादिर्जातिरेव वा' In which text is this sentence ?

(1) काव्यप्रकाशे (2) काव्यालङ्कारे (3) नाट्यशास्त्रे (4) काव्यमीमांसायाम्

71. काव्यं यशसेऽर्थकृते व्यवहारविदे शिवेतरक्षतये।
सद्यः परनिर्वृतये कान्तासम्मिततयोपदेशयुजे।। मत मिदम् -

काव्यं यशसेऽर्थकृते व्यवहारविदे शिवेतरक्षतये।
सद्यः परनिर्वृतये कान्तासम्मिततयोपदेशयुजे।। यह उक्ति है :

काव्यं यशसेऽर्थकृते व्यवहारविदे शिवेतरक्षतये।
सद्यः परनिर्वृतये कान्तासम्मिततयोपदेशयुजे।। This has been stated by :

(1) भामहस्य (2) मम्मटस्य (3) कुन्तकस्य (4) लोल्लटस्य

72. 'गद्यं पद्यं च मिश्रं च तत् त्रिधैव व्यवस्थितम्' - उक्त मिदम् -

'गद्यं पद्यं च मिश्रं च तत् त्रिधैव व्यवस्थितम्' - यह कथन है :

'गद्यं पद्यं च मिश्रं च तत् त्रिधैव व्यवस्थितम्' - This statement belongs to :

(1) दण्डिना (2) वामनेन (3) रुद्रटेन (4) भरतेन

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

73. ये रसस्याङ्गिनो धर्मा: शौर्यादय इवात्मनः।

उत्कर्षहेतवस्ते स्युरचलस्थितयो __________।। पूर्यतामुचितेन पदेन।

ये रसस्याङ्गिनो धर्मा: शौर्यादय इवात्मनः।

उत्कर्षहेतवस्ते स्युरचलस्थितयो __________।। उचित शब्द से वाक्यपूर्ति करें।

ये रसस्याङ्गिनो धर्मा: शौर्यादय इवात्मनः।

उत्कर्षहेतवस्ते स्युरचलस्थितयो __________।। Fill the blank with appropriate word.

(1) अलङ्कारा: (2) गुणा: (3) दोषा: (4) वृत्तय:

74. 'रीतिरात्मा काव्यस्य' इति मतं प्रतिपादितम् –

'रीतिरात्मा काव्यस्य' यह मत प्रतिपादित है :

'रीतिरात्मा काव्यस्य' Has been proposed by :

(1) क्षेमेन्द्रेण (2) विश्वनाथेन (3) जगन्नाथेन (4) वामनेन

75. मम्मटमतेन गुणानां संख्या वर्तते –

मम्मट के मत में गुणों की संख्या है :

The number of Guṇas according to Mammaṭa is :

(1) पञ्च (2) दश (3) त्रय: (4) षट्

- o 0 o -

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

Space For Rough Work

www.a2zSubjects.com